उमेश चन्द्र पाठक (प्रवक्ता)
रा0इ0का0पांखू
पिथौरागढ़।

धर्मनिरपेक्षता कक्षा–11

धर्मनिरपेक्षता– धर्मनिरपेक्षता का शाब्दिक अर्थ है धर्म से निरपेक्ष रहना अर्थात धर्म के मामले में कोई हस्तक्षेप न करना व्यक्ति या समुदाय की जो आस्था या धर्म हो उसे बिना बाध्यता के उसके अनुसार आचरण करने की छूट प्रदान करना ही धर्मनिरपेक्षता है।

भारतीय धर्मनिरपेक्षता– सभी धर्मो को आदर व सम्मान देना भारतीय संस्कृति का प्राचीन काल से विशिष्ट लक्षण रहा है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, यहाँ सभी नागरिको को स्वतन्त्र रूप से धर्म को मानने व उसके अनुसार आचरण करने की स्वतन्त्रता है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान के आधारभूत ढांचे में शामिल है।

भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में– भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, निम्नलिखित बिन्दुओं द्वारा इसकी पुष्टि की जा सकती है।

1. भारत राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, संविधान के अनुसार भारत राज्य की दृष्टि में सभी धर्म समान है।
2. भारत में संविधान द्वारा नागरिकों को यह विश्वास दिलाया गया है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा।
3. संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार भारतीय राज्य क्षेत्र में सभी व्यक्ति कानून की दृष्टि से समान होगें और धर्म जाति अथवा लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा।
4. भारतीय संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिको को अनुच्छेद 25 से 28 द्वारा धार्मिक स्वतन्त्रता का मूल अधिकार प्रदान किया गया है।
5. संविधान के अनुसार सभी धर्मो को स्वतन्त्रता प्रदान की गयी है, इसके अनुसार प्रत्येक नागरिक को धार्मिक तथा परोपकारी उद्देश्य के लिए संस्थाऐं स्थापित करने, उनका संचालन करने, धार्मिक मामलों का प्रबन्ध करने, चल व अचल सम्पत्ति रखने और प्राप्त करने तथा ऐसी सम्पत्ति का कानून के अनुसार प्रबन्ध करने का अधिकार है।
6. अनुच्छेद 28 के अनुसार सरकारी शिक्षण संस्थाओं में किसी प्रकार की धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती है।

7. भारतीय संविधान द्वारा धार्मिक कार्यो के लिए किये जाने वाले व्यय को कर मुक्त घोषित किया गया है।

समाजवादी पंथ निरपेक्ष राज्य

पंथ निरपेक्षता या धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है तथा राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धर्म का पालन करने का अधिकार होगा। राज्य धर्म के आधार पर नागरिको के साथ कोई भेदभाव नहीं करेगा तथा धार्मिक मामलो में विवेकपूर्ण निर्णय लेगा। राज्य सभी नागरिको की स्वतन्त्रता को सुनिश्चित करने के लिये कार्य करेगा।

भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचना– भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचना के लिये निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किये जाते है–

1. **धर्म विरोधी–** कुछ आलोचकों का कहना है कि धर्म निरपेक्षता धर्म विरोधी है, लेकिन भारतीय धर्म निरपेक्षता धर्म विरोधी नहीं है इसमें सभी धर्मो को उचित सम्मान दिया गया है। धर्म निरपेक्षता संस्थाबद्ध धार्मिक वर्चस्व का विरोध करती है यह धर्म विरोधी होने का पर्याय नहीं है।
2. **पश्चिम से आयातित–** धर्म निरपेक्षता के विषय में यह कहा जाता है कि यह पश्चिम से आयातित है, अर्थात ईसाईयत से प्रेरित है, लेकिन यह सही आलोचना नहीं है। भारत की धर्मनिरपेक्षता प्राचीन काल से ही इसकी विशिष्ट पहचान रही है यह कही से आयातित नहीं बल्कि मौलिक है।
3. **अल्पसंख्यक वाद–** भारत की धर्मनिरपेक्षता पर अल्पसंख्यक वाद होने का आरोप भी लगता है भारतीय धर्मनिरपेक्षता अल्पसंख्यक अधिकारों की पैरवी करती है मगर यह पैरवी न्याय के अनुसार करती है आलोचको को अल्पसंख्यक अधिकारों को विशेष सुविधाओं के रूप में नहीं देखना चाहिए।
4. **अधिक हस्तक्षेप–** कुछ आलोचकों का तर्क है कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता उत्पीड़नकारी है। यह व्यक्ति की धार्मिक स्वतन्त्रता में अधिक हस्तक्षेप करती हैं यह भारतीय धर्मनिरपेक्षता के बारे में गलत समझ है, भारतीय धर्मनिरपेक्षता धर्म से सैद्वान्तिक दूरी बनाकर चलती है साथ–साथ कुछ हस्तक्षेप की गुंजाइश भी रखती है लेकिन यह हस्तक्षेप उत्पीड़नकारी न हो कर सुधारवादी है।

अभ्यास कार्य

प्रश्न–1. धर्मनिरपेक्ष राज्य की एक परिभाषा दीजिये।

उत्तर– जार्ज ऑस्लर के अनुसार, ''धर्मनिरपेक्ष का अर्थ इस विषय या वर्तमान जीवन से सम्बन्धित है जो धार्मिक द्वैतवादी विचारों से बँधा हुआ न हो।

प्रश्न–2. धर्मनिरपेक्ष राज्य के दो गुण लिखिये।

उत्तर– 1. धर्मनिरपेक्ष राज्य में राष्ट्रीय भावनाओं को प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

2. धर्मनिरपेक्ष राज्य में साम्प्रदायिकता की भावना को कम किया जा सकता है।

प्रश्न–3. भारतीय संविधान में धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार किन अनुच्छेदों में दिया गया है ?

उत्तर– अनुच्छेद 25 से 28

आदर्श प्रश्न

1. धर्म निरपेक्षता से क्या अभिप्राय हैं ?
2. ''भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य हैं,'' इस कथन की विवेचना कीजिये ?
3. धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार क्या हैं ?
4. भारतीय धर्मनिरपेक्षता की आलोचनात्मक विवेचना कीजिये ?

संदर्भ व सहायक पुस्तकें–

1. **विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड द्वारा प्रकाशित राजनीतिक सिद्वान्त कक्षा–11 की पाठ्य पुस्तक।**
2. **चित्रा प्रकाशन, इण्डिया प्रा0लि0 द्वारा प्रकाशित चित्रा राजनीति शास्त्र कक्षा–11 लेखक शरद भटनागर।**